11वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह

महानिदेशक उच्चतर शिक्षा हरियाणा सरकार और विज्ञान तथा तकनीकी विभाग, भारत सरकरा द्वारा अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में दिनांक २१ फरवरी, २०१५ को संभाग प्रथम के सभागार में कॉलेज प्राचार्य डॉ० कृष्ण कान्त गुप्ता के संरक्षण में 11वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई. 20 व 21 फरवरी 2015 को महाविद्यालय के गणित विभाग की ओर से इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन गणित विभागाध्यक्ष डॉ० के.एल. कौशिक और संगोष्ठी के आयोजक सचिव डॉ० नरेश कामरा के मार्गदर्शन में किया गया. "गणित में नवीनतम प्रगति" विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० बी.एस. सिन्धु (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के परीक्षा नियंत्रक) उपस्थित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता देवेन्द्र गुप्ता (निदेशक, पायवोटल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा० लि०, फरीदाबाद) ने की. विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर राजेन्द्र भाटिया और प्रोफेसर एस.के. चक्रवर्ती उपस्थित थे. आई. आई. टी. दिल्ली के गणित विभाग के प्रोफेसर आर.के शर्मा बीज वक्ता के रूप में उपस्थित थे. समारोह में मौजूद सभी अतिथियों का कॉलेज प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता द्वारा पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया. मुख्य अतिथि ने इस संगोष्ठी के सफल आयोजन पर आयोजक मंडल और आने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी. उन्होंने अग्रवाल महाविद्यालय की कार्यशैली की भी प्रशंसा की. बीज वक्ता प्रोफेसर आर.के. शर्मा (आई. आई. टी. दिल्ली, गणित विभाग) ने गणित में नवीनतम और अधुनातन प्रगति के महत्व पर विचार व्यक्त किये.

"गणित में नवीनतम प्रगति" विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया.

सत्र के अन्त में प्राचार्य महोदय ने मुख्य अतिथि महोदय को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके साथ अन्य अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंट किये. डॉ० नरेश कामरा के धन्यवाद ज्ञापित किया. इस संगोष्ठी में अग्रवाल महाविद्यालय के गणित विभाग के सभी प्राध्यापकों एवं एम.एस.सी. गणित के सभी विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया.

लाला रतन सिंह गुप्ता (प्रधान, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़), वासुदेव गुप्ता (उपप्रधान, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़) तथा दिनेश गुप्ता (अधिवक्ता) ने संगोष्ठी के सफल आयोजन पर बधाई दी.

अग्रवाल महाविद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियाँ शिक्षण गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए समयबद्ध रूप से आयोजित की जाती हैं.